



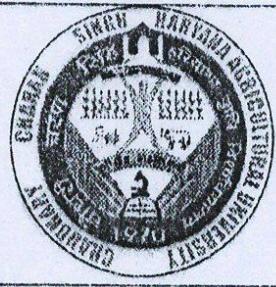
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक मास्टर	३०-५-२५	३	।

एथेन्यू-लुवास में १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय सुबह ७ बजे से दोपहर २ बजे तक खुलेंगे। यह व्यवस्था १ मई से ३१ जुलाई, २०२५ तक लागू रहेगी।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि यह समय प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कृषि महाविद्यालय कौल और कृषि महाविद्यालय बावल में भी लागू होगा। फिलहाल विश्वविद्यालय में शरदकालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालय सुबह ९ बजे से शाम ४:३० बजे तक चलते हैं। १ मई से यह समय बदल जाएगा। इधर, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में भी १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इस दौरान विवि के सभी कार्यालय सुबह ७ से २ बजे तक खुले रहेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमात्रार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नवंबर २०२५	३०-५-२५	३	।

हकृति में कल से ग्रीष्मकालीन समय- सारिणी लागू

जासं • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत १ मई से ३१ जुलाई, २०२५ तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः सात बजे से दोपहर दो बजे तक खुलेंगे। कुलसचिव डा. पवन कुमार ने बताया कि प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में यही टाइम टेबल लागू होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम <u>पजांग के सरी</u>	दिनांक ३०.६.२५	पृष्ठ संख्या ५	कॉलम ७-८
---	-------------------	-------------------	-------------

हृति में १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू

हिसार, 29 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत १ मई से ३१ जुलाई, २०२५ तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः ७.०० बजे से दोपहर २.०० बजे तक खुलेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी १ मई से ३१ जुलाई तक यही समय लागू होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाला	३०-५-२५	।	।

एचएयू : ग्रीष्मकालीन समय सारिणी कल से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके तहत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों और कृषि महाविद्यालय, कौल व कृषि महाविद्यालय, बावल में यही समय लागू होगा। व्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ईरि भूगि	३०. ५. २५	१	।

हफ्ते में कल से सुबह 7 बजे खुलेंगे कार्यालय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में १ मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत १ मई से ३१ जुलाई तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः ७.०० बजे से दोपहर २.०० बजे तक खुलेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी १ मई से ३१ जुलाई तक यही समय लागू होगा। गौरतलब है कि फिलहाल विश्वविद्यालय में शरदकालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः ९ बजे से सायं ४:३० बजे तक है, जो एक मई से बदलकर प्रातः ७.०० बजे से दोपहर २.०० बजे तक हो जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	३०-५-२५	५	५

हङ्कार में १ मई से ग्रीष्मकालीन
समय सारिणी लागू

प्रातः ७ से दोपहर २ बजे तक
खुलेंगे कार्यालय

हिसार, २९ अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में १ मई से ग्रीष्मकालीन
समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत
१ मई से ३१ जुलाई, २०२५ तक
विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः ७ बजे
से दोपहर २ बजे तक खुलेंगे।
विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन
कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के
प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय
अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय,
कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय,
बावल (रेवाड़ी) में भी १ मई से ३१ जुलाई
तक यही समय लागू होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘आजीत समाचार’	३०. ५. २५	11	1-5

हृकृष्ण में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग ने किया दौरा व विश्वविद्यालय संबंधी ली जानकारिय

हिसार, 29 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें
केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने सेंटर
फॉर माइक्रोप्रोपोरेशन एंड डबल
हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ. मंगल
सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का दौरा
किया। केन्द्रीय वित्त आयोग के
अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं
टीम के अन्य सदस्यों ने उत्तरोक्त
स्थलों के निरीक्षण के दौरान
विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा
अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित
अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के
बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।
इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति
प्रो. डॉ. आर. काम्बोज, केन्द्रीय वित्त
आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथू
डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौभ्य कांति
घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, सयुक्त
सचिव क.के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी
सचिव (सयुक्त निदेशक) कुमार
विरेक, संयुक्त निदेशक दर्विंदर
चोद्धा, उप-निदेशक रोहित गुड़े,
ओशनडी अभिषेक नंदन, सहायक
निदेशक भावेश हजारिका व आरुषि
गुप्ता, मंडल आयुक्त ए. श्रीनिवास,
उपायुक्त अनीश यादव सहित अन्य
आधिकारीण उपस्थित रहे। कुलपति
प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने बताया



16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम सैंटर फॉर माइक्रोप्रोपेरेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए।

कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्रालिटी प्लाटिंग मटेरियल की भी टीम ने सरहाना की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतु करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत किसी विकसित की गई है जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय है। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उत्तर

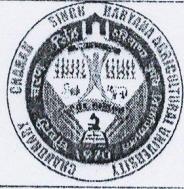
किस्मों का 20 हजार क्रिंटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतारी होने के साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समझौते किए गए हैं व अनेकों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शिक्षा ग्रहण के लिए विदेशों में भेजा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रैगेशन एंड डेवल हेपलोड

प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्वर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं।

लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया

सैटर फॉर माइक्रोप्रोगेशन एंड डबल हेपलोट प्रयोगशाला के
डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का किया निरीक्षण

गत्रों की एक आंख से 40 हजार पौधे लाभ होगा। उन्होंने बताया कि यह गोपालशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसे भागों में विभाजित किया गया है। लेकिन भागों में प्रयोगशाला है जो की 6500 चैर फीट में स्थापित की गई है। जिसमें धैर परखनलियों में प्रयोगशाला में व्यक्तित तापमान एवं प्रकाश के अंदर कसित किए जाते हैं। दूसरे भाग में 41 स्केयर फीट में ग्रीन हाउस है। इस हाउस में टिशू कल्चर विधि से 5 आंख पौधे रखने की क्षमता है। तीसरे भाग नेट हाउस है, जो की एक एकड़ में नेट हाउस है, जो की एक आंख से 40 हजार पौधे को कृषि के बारे में जागरूक करने लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आयी भीती चित्रों द्वारा दर्शाया गया है। संग्रह में विश्वविद्यालय के विमाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों जानकारी देने के लिए त्रि-आयी मलाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का सुंदर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। कृषि उपयोग किए जाने वाले पुरातन ग्रामीण दिनवर्चय की विभिन्न वस्तुजैसे रसोई का सामान, बर्तन, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके प्रदर्शित किया गया है तथा उनकी स्वाभाव्य भी की गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैरिये भूमि

दिनांक
३०-५-२५

पृष्ठ संख्या
१

कॉलम
२-६

सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण

केंद्रीय वित्त आयोग की टीम ने किया हिसार दौरा, विकास कार्यों को परखा

आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में टीम ने हिसार में कंसल्टेशन विजिट शृंखला के तहत विभिन्न स्थानों पर किया निरीक्षण

दैरिये न्यूज ► हिसार

भारत सरकार द्वारा गठित 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में आयोग देशभर के विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श कर रहा है। इस सिलसिले में आयोग की कंसल्टेशन-विजिट शृंखला के तहत हरियाणा 24वां राज्य बना है, जहां आयोग ने दौरा किया। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अधिकारियों की टीम हिसार पहुंची। यहां मंडलायुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनींश यादव तथा जिला नगर आयुक्त नीरज ने आयोग की टीम का स्वागत किया। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त आयोग राज्यों में विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे और नवाचारों की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जीवीनी स्तर पर इस प्रकार के दौरे कर रहा है। दौरे के दौरान आयोग की टीम ने जन



हिसार। सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण करती 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की टीम।

फोटो: हरिभूमि

एचएयू ने टिश्यू कल्पर विधि से हुए रुबरू

कुलपति प्रौ. बी.आर. कान्बोज ने वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकते हैं। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्पर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं। लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आवृत्तिशक्ति रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि गवाँही की एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होता है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसे तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में प्रयोगशाला है जो कि 6500 रुपये एवं 1041 रुपये एक फौट में ग्राहक हाउस है। यहां पर पौधों की विविधता तापमान एवं अदाता में विकसित किया जाता है। इस बीन हाउस में टिश्यू कल्पर विधि से 5 लाख पौधे रखने की क्षमता है। तीसरे भाग में नेट हाउस है, जो कि एक एकड़ में बनाया गया है। जिसमें पौधे रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कैमरी रोड पर स्थापित 15 एमएलडी क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर वर्क्स के द्वितीय चरण के रिनोवेशन कार्य का

निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों, जल गुणवत्ता, सप्लाई प्रणाली एवं प्रैदौगिकी के बारे में आयोग को अवगत कराया।

पांच वाटर वर्क्स के नाइट्रल से हो रही पेयजल आपूर्ति

केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अधिकारियों की टीम ने कैमरी रोड स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। जरनलास्थ विभाग के हाजीनियर इन चीफ डेवेलर सिंह ने बताया कि हिसार शहर के लिए विभाग ने पांच वाटर वर्क्स बनाए हुए हैं। कैमरी रोड वाटर वर्क्स की क्षमता 15 लाखलाई की है और 51711 लोगों को पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस वाटर वर्क्स से वार्ड नंबर 14,15,16 और पटेल नगर को सलाह की जा रही है।

इसकी स्टोरेज क्षमता 2.88 करोड़ लीटर की है।

हक्की ने शोध एवं नवाचार स्थलों का बनाना किया

आयोग की टीम ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित विभिन्न शेष एवं नवाचार स्थलों का भ्रमण किया। टीम ने विश्वविद्यालय परिसर रिथ्ट डॉ. मंगलसेन कृषि साइंस म्यूजियम एवं बायोटेक्नोलॉजी लेबरेटरी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने टीम को कृषि नवाचार औषिक अनुसंधान एवं वार्गीण पर्यटन, परम्परागत संसाधनों और उनके द्वारा किए गए प्रयोग को बढ़ावा देने

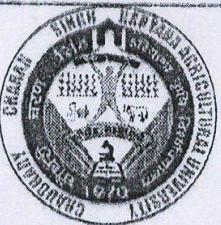
से संबंधित नितिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान विधि के कुलपति प्रौ. बी.आर. कान्बोज, गुरु जसेश्वर विज्ञान एवं प्रैदौगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. नरसीराम बिश्नोई, केंद्रीय वित्त आयोग के सदस्य एवं जॉर्ज मैथूरू डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सोन्य कांति योष, सचिव श्राविक पांडे, स्युक्ता सचिव के के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव (स्युक्त निदेशक) कुमार विवेक, स्युक्त निदेशक द्विदर योद्धा, उप-निदेशक रोहित गुट, ओएसडी अमिषेक नंदव, सदायक निदेशक माधेश हजारिका व आरणी गुप्ता उपस्थित रहे।

नार्कटिंग तकनीक से करवाया जा रहा अवगत

वित्त आयोग के अध्यक्ष और टीम का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बी.आर. कान्बोज ने स्वागत किया और आयोग को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित की जा रही नितिविधियों की जानकारी साझा की। आयोग को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय किसानों को बीज उपलब्ध करवाने के साथ ही उनके किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित करने में मदद करता है और उनके लिए नार्कटिंग के रास्ते खोजने में मदद कर रहा है। एचएयू किसानों को फसलों को अनुसंधान करके बीज उपलब्ध कराती है।

वित्त आयोग की टीम ने देखी संस्कृति की झलक

वित्त आयोग की टीम ने डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण कर जानकारी हासिल की। संग्रहालय के प्रारंभ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जन साक्षिकीय आकड़ दर्शाएं जानी के साथ आवृत्ति विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को प्रि-आयोगी भौती त्रिपो द्वारा दर्शाया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक भास्कर

दिनांक
३०. ५. २५

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
३-६

- टिश्यू कल्चर विधि से लैब में तैयार होंगे 20 लाख उच्च गुणवत्ता के पौधे : प्रो. काम्बोज

16वें वित्त आयोग टीम ने किया एचएयू का दौरा

भारतपत्र न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने दौरा किया। टीम ने सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला और डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का निरीक्षण किया। आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अन्य सदस्यों ने वैज्ञानिकों से अनुसंधान, तकनीक और विस्तार कार्यों की जानकारी ली।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि टीम ने एचएयू में चल



16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का जायजा लेते हुए।

रह अनुसंधान, पठन-पाठन और विस्तार गतिविधियों पर चर्चा की। वैज्ञानिकों ने उच्च गुणवत्ता की उन्नत किस्में विकसित की हैं। एचएयू ने 20 हजार विवंतल बीज तैयार कर किसानों को दिया है। कई विद्यार्थियों को विदेशों में प्रशिक्षण

और शिक्षा के लिए भेजा गया है। प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि माइक्रोप्रोप्रेशन एंड डबल हेपलोड लैब से तैयार पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के किसानों को मिलेंगे। यहां टिश्यू कल्चर विधि से पौधे तैयार किए जाते हैं। हर साल 20

लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित और आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार होंगे। इस दौरान बीसी प्रो. बीआर काम्बोज, आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्य कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, संयुक्त सचिव के.के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव कुमार विवेक, संयुक्त निदेशक दविंदर चोदहा, उप-निदेशक रोहित गुट्टे, ओएसडी अधिकारी नंदन, सहायक निदेशक भावेश हजारिका और आरुषि गुप्ता, मंडल आयुक्त ए. श्रीनिवास, डीसी अनीश यादव मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाब के लोक

दिनांक
३०-५-२५

पृष्ठ संख्या
१

कॉलम
२५

केंद्रीय वित्त आयोग की टीम ने बाटर ट्रीटमेंट प्लांट व बाटर वर्क्स के द्वितीय चरण के रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया

हिसार, 29 अप्रैल (ब्लूरो): भारत सरकार द्वारा गठित 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में आयोग देशभर के विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श कर रहा है। इस सिलसिले में आयोग की कंसल्टेशन-विजिट श्रृंखला के तहत हरियाणा 24 वां बां जन्य बना है, जहां आयोग ने दौरा किया।

मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अधिकारियों की टीम, हिसार पहुंची। यहां मंडलायुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनीश यादव तथा जिला नगर अपायुक्त नीरज ने आयोग की टीम का स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सांचव, एस.डी.एम. ज्योति मित्तल, हांसी एस.डी.एम. राजेश खोथ सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त आयोग राज्यों में विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे और नवाचारों की वास्तविक स्थिति को समझने हेतु जमीनी स्तर पर इस प्रकार के दौरे कर रहा है। दौरे के दौरान आयोग की टीम ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कैमरी रोड पर स्थापित 15 एम.एल.डी. क्षमता के बाटर ट्रीटमेंट प्लांट और बाटर वर्क्स के द्वितीय



केंद्रीय वित्त आयोग की टीम सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए।

चरण के रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों, जल गुणवत्ता, सप्लाई प्लांट का निरीक्षण किया। जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर इन चीफ देवेंद्र सिंह ने बताया कि हिसार शहर के लिए विभाग ने पांच बाटर वर्क्स बनाए हुए हैं।

हिसार में जनस्वास्थ्य विभाग 5 बाटर वर्क्स के माध्यम से पेयजल आपूर्ति कर रहा सुनिश्चित

केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ.

अरविंद पनगढ़िया और अधिकारियों की टीम ने कैमरी रोड स्थित बाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर इन चीफ देवेंद्र सिंह ने बताया कि हिसार शहर के लिए विभाग ने पांच बाटर वर्क्स बनाए हुए हैं।

कैमरी रोड बाटर वर्क्स की क्षमता 15 एम.एल.डी. की है और 51711 लोगों को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस बाटर वर्क्स से बाईं नवर 14, 15, 16 और पटेल नगर को सप्लाई की जा रही है। इसकी स्टोरेज क्षमता 2.88 करोड़ लीटर की है। इहाँने बताया कि इस बाटर वर्क्स को बालसमंद सब ब्रांच से आपूर्ति होती है।

सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का किया निरीक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में केंद्रीय वित्त आयोग की टीम ने सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय को घूमाया।

सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का विशेष कर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को आयामी भीती चिंतों द्वारा दर्शाया गया है।

संग्रहालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुदूर विण्ण प्रस्तुत करते हैं। कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का समान, बर्नन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

विभिन्न प्रयोगशालाओं के द्वारा आयोग की टीम ने इन यंत्रों को विशेष रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे।

कुमार विवेक सहित अन्य अधिकारीयों उपस्थित रहे।

कुलपति ने वित्त आयोग टीम को हृकृति की विभिन्न गतिविधियों को दी जानकारियां

वित्त आयोग के अध्यक्ष और टीम का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने स्वागत किया और कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने बताया कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे कॉलाइटी प्लाटिंग मर्टेरियल की भी टीम ने सराहना की।

उहाँने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली ऊत्र किस्में विकसित की गई हैं जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों का 20 हजार क्रिंटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ावती होने के साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध कराया जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में टिश्यु कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं।

लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं अनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उहाँने बताया कि ग्रन्ट की एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा।

कृषि विज्ञान संग्रहालय में वित्त आयोग की टीम ने देखी हरियाणी संस्कृति की झलक



16वें केंद्रीय वित्त आयोग की टीम डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का जायजा लेते हुए।

विभिन्न प्रयोगशालाओं, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुदूर विण्ण प्रस्तुत करते हैं। कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का समान, बर्नन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी

मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुदूर विण्ण प्रस्तुत करते हैं। कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का समान, बर्नन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी

मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुदूर विण्ण प्रस्तुत करते हैं। कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का समान, बर्नन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.04.2025	--	--

केन्द्रीय वित्त आयोग ने किया हकूमि का दौरा, विश्वविद्यालय की ली जानकारियां

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने दौरा किया। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के अन्य सदस्यों ने उपरोक्त स्थलों के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कुलपति ने बताया कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्षालियाँ



प्लाटिंग मर्टेरियल की भी टीम ने सरहना की।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत किस्में विकसित की गई

हैं जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों का 20 हजार किटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोत्तरी होने के

साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समझौते किए गए हैं व अनेकों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शिक्षा ग्रहण के लिए विदेशों में भेजा गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फ्रंट	29.04.2025	--	--

हकृति में 16वें केन्द्रीय वित आयोग ने किया दौरा व विश्वविद्यालय के बारे नें ली जानकारियां



सेंटर फॉर माइक्रोप्रोप्रैगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का किया निरीक्षण

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/प्रबन सैनी, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित आयोग की टीम ने सेट फॉर माइक्रोप्रोप्रैगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया। केन्द्रीय वित आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनाडि एवं टीम के अन्य सदस्यों ने उपरोक्त स्थलों के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, केन्द्रीय वित आयोग के सदस्य पर्नी जॉर्ज मेथ्य, डॉ. मनोज पांडे, डॉ. सोन्य कांति दीप, सर्विचंद्र ग्रन्थकर पांडे, संयुक्त संचिक के.के. मिश्र, अध्यक्ष के निजी सचिव (संयुक्त निदेशक) कुमार निवेद, संयुक्त निदेशक दर्विदर चोदाहा, उप-निदेशक रोहित मुंडे, और सदस्यी अधिकारी नदन, सहायक निदेशक भावेश हजारिका व आरोपि गुप्ता, मंडल आयुक्त एवं श्रीनिवास, उपायुक्त अपीली यादव सहित अन्य अधिकारीय उपस्थित रहे।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि 16वें वित आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, प्रयोगशाला, विस्तार सहित विभिन्न प्रार्थिकाधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। विस्तारों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्लासिटी प्लाटिंग पर्टीस्युल की भी टीम ने सहायता की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, विस्तारों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए से उच्च गुणवत्ता वाली उत्तर किसी विकासित की गई है जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के विस्तारों में काफी लोकप्रिय है। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उत्पादन विस्तारों का 20 हेक्टेएक्ट छिट्टा के बीज तेवर करके विस्तारों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। विस्तार से प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोत्तरी होने के साथ-साथ विस्तारों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा यांत्रिक एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समझौते किए गए हैं व अनेकों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शिक्षा उपलब्ध किए गए विदेशों में भेजा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनाडिया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेट फॉर माइक्रोप्रोप्रैगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा महिल उत्तर भारत के विभिन्न जगहों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में टिरपुर कलवर विधि से विभिन्न प्रार्थियों के पौधे तैयार कराए जी विधियों विकासित की गई हैं। लैंबे में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोप रीहर एवं अनुवर्णीयक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उन्होंने

बताया कि गवर्नर को एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसमें तीन घारों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में प्रयोगशाला है जो की 6500 स्केयर फॉट में स्थापित की गई है। जिसमें पौधे परखनसियों में प्रयोगशाला में निर्धारित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरे भाग में 1041 स्केयर फॉट में ग्रीन हाउस है। यहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आद्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिरपुर कलवर विधि से 5 लाख पौधे रखने की क्षमता है। तीसरे भाग में नेट हाउस है, जो की एक एकड़ में बनाया गया है। जिसमें पौधे रखकर विस्तारों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय में आगतुओं को एक ही दृष्टि के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियां, कृषि व कृषक हितों की कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गोस्वामीयों संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। संग्रहालय के प्रारंभ में ही हरियाणा की गोस्वामी विकास यात्रा के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जनसाक्षरकारी आंकड़े दर्शाएं जाने के साथ आगामी को विधियों के बदलाव बदलों को बारे में जागरूक कराने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्रिआयामी भौती विज्ञों द्वारा दर्शाया गया है। संग्रहालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए वि-आयामी मॉडल लगाए गए हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.04.2025	--	--

3

हफ्ते में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू, प्रातः 7 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे कार्यालय

सिटी पल्स न्यूज, हिसारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक खुलेंगे।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि

फिलहाल सर्वय प्रातः 9 से सायं 4.30 बजे तक है

महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा। गौरतलब है कि फिलहाल विश्वविद्यालय में शरदकालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक है, जो एक मई से बदलकर प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक हो जाएगा।